नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मेट्रो और रैपिड रेल से जोड़ेंगे: योगी

समीक्षा

- फरवरी 2024 तक तैयार करने का निर्देश
- जेवर को रेल सेवा से जोड़ने का हो रहा विचार

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट नोएडा इंटरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट जेवर को मेट्रो, हाई स्पीड रैपिड रेल और रोड की सीधी और बेहतरीन कनेक्टिविटी मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी), उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, एनएचएआई और प्रदेश सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक कर जरूरी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जेवर एयरपोर्ट की सुरक्षा व जन सुविधा के दृष्टिगत नए थानों, फायर स्टेशन, ड्रेनेज व्यवस्था आदि सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट की बेहतर कनेक्टिविटी पर चर्चा करते हुए कहा कि जेवर का पूरा क्षेत्र कुछ वर्षों पहले तक अपराध की जद में था। दिन-दहाड़े छिनैती, लूट की घटनाएं होती थी लेकिन आज इसकी पहचान अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से हो रही है। अगले कुछ वर्षों में यह एनसीआर का सबसे विकसित क्षेत्र होगा। जेवर एयरपोर्ट, एयर कार्गो का बड़ा हब बनने जा रहा है। अनुमान के मुताबिक, जेवर एयरपोर्ट 2024-25 में 65 लाख यात्रियों (प्रतिवर्ष) को सेवाएं देगा, जो कि 2042-43 तक बढ़कर 7 करोड़ प्रतिवर्ष होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट को इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से कनेक्ट किया जाएगा।

ट्रायल लैंडिंग फरवरी में

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें फरवरी 2024 में जेवर एयरपोर्ट के रनवे पर ट्रायल लैंडिंग कराना होगा। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रनवे निर्माण, लाइटिंग आदि की कार्रवाई में तेजी जरूरी है। रेलवे के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि जेवर एयरपोर्ट को बेहतर कनेक्टिविटी के उद्देश्य से स्थानीय चोला से रुंधी तक लगभग 98 किलोमीटर की दूरी तक एक नई रेल लाइन पर भी विचार किया जा रहा है।